एसएमएस में शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया

September 6, 2026 News Desk

Post Views: 25

शिक्षकों को किया गया सम्मानित, उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों-कर्मचारियों की पदोन्नति की सूचना साझा

धारा लक्ष्य समाचार

लखनऊ। स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साइंसेस (एसएमएस), लखनऊ परिसर में 5 सितंबर को महान शिक्षाविद्, दार्शनिक एवं भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर शिक्षक दिवस हर्षोल्लास एवं गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के अभिव्यक्ति क्लब के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए संस्थान के सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शरद सिंह ने सभी शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि शिक्षण के साथ-साथ संस्थान से जुड़े सभी दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, समर्पण एवं प्रतिबद्धता के साथ किया जाना चाहिए।

महानिदेशक डॉ. भरत राज सिंह ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. राधाकृष्णन का जीवन देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वर्तमान तकनीकी एवं तेजी से बदलते दौर में शिक्षक की भूमिका केवल विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करने तक सीमित नहीं रह गई है।

शिक्षक को मार्गदर्शक, प्रेरक, मेंटर, रोल मॉडल तथा परिवर्तन के वाहक के रूप में विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए।
डॉ. सिंह ने कहा कि एक उत्कृष्ट शिक्षक वही है, जो स्वयं भी निरंतर सीखने की प्रवृत्ति बनाए रखे और विद्यार्थियों में जिज्ञासा, रचनात्मकता एवं सीखने की ललक विकसित करे। उन्होंने कहा कि शिक्षक विद्यार्थियों को चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने के साथ ही उनमें नैतिक मूल्यों, अनुशासन एवं सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उन्होंने शिक्षकों से डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों को आत्मसात करते हुए शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सशक्त माध्यम बनाने का आह्वान किया। संस्थान के निदेशक डॉ. आशीष भटनागर ने अपने सहज एवं विनोदी अंदाज में संस्थान से जुड़े विभिन्न प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कार्यप्रणाली में निरंतर सुधार एवं आत्ममंथन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। वहीं, सह निदेशक डॉ. धर्मेन्द्र सिंह ने शिक्षकों को समाज का दर्पण बताते हुए कहा कि शिक्षक का व्यक्तित्व, व्यवहार एवं आचरण विद्यार्थियों के भविष्य को गहराई से प्रभावित करता है।

समारोह के दौरान संस्थान की नियमावली के अनुरूप उत्कृष्ट कार्य एवं कर्मठता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने वाले शिक्षकों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पदोन्नति से संबंधित सूचना भी साझा की गई। इस अवसर पर सचिव एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री शरद सिंह द्वारा उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मचारियों को उपहार प्रदान किए गए, जिससे समारोह का उत्साह और बढ़ गया।

कार्यक्रम में निदेशक (प्रशासन) डॉ. जगदीश सिंह, अधिष्ठाता-छात्र कल्याण डॉ. पी.के. सिंह, अधिष्ठाता-इंजीनियरिंग डॉ. मोहम्मद हुसैन, उप महाप्रबंधक श्री राहुल अवस्थी एवं कुलसचिव श्री एस.एन. शुक्ला सहित 200 से अधिक शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

> “ *समारोह का समापन शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं कृतज्ञता व्यक्त करते हुए हुआ। इस दौरान संस्थान की ओर से शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने, नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया गया।*